Name of Best Practice/Innovation	**24 ए.पी.डी. ग्राम सेवा सहकारी समिति लि0, 24 ए.पी.डी., तहसील अनूपगढ़, जिला श्रीगंगानगर**
Fact Sheet	24 ए.पी.डी. ग्राम सेवा सहकारी समिति के नाम से यह संस्था रायसिंहनगर अनूपगढ़ राजमार्ग पर बांडा कॉलोनी पंचायत मुख्यालय पर स्थित गत 15 वर्षों अपनी एक साधारण अथवा कमजोर पैक्स से जिले में एक विविधीकृत व्यवसाय एवं मल्टी सर्विस सोसाइटी के रूप में लाभ अर्जित करने वाली संस्था के रूप में पहचान बनाई है। समिति को आईसीडीपी द्वारा आधारभूत ढांचा विकसित करने हेतु ऋण, हिस्सा राशि एवं अनुदान यू.डी. आदि की सहायता उपलब्ध करवाई गई। इसके अतिरिक्त आईसीडीपी द्वारा समिति को विशेष रूप से मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध करवाते हुए कृषि यंत्रों को किराये पर देने (कस्टम हायरिंग) का कार्य प्रारम्भ करवाया गया है।
Background	**समिति द्वारा किये गये नवाचार :–** **1. कृषि यंत्र किराये पर देना (कस्टम हायरिंग) :–** समिति द्वारा अपने क्षेत्र के ग्रामीणों को किराये पर कृषि यंत्र उपलब्ध करवाये जाते है जिससे किसानों को मंहगें अत्याधुनिक कृषि यंत्र आसानी से उपलब्ध हो सके। समिति यह कार्य गत 3 वर्षों से कर रही है। समिति के इस नवाचार को ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिल रही है। विशेष रूप से लघु एवं सीमान्त कृषकों को समिति से ट्राली, प्लाऊ, कल्टीवेटर, रोटावेटर, थ्रैशर, स्प्रेयर पम्प जैसे कृषि यंत्र आसानी से उपलब्ध हो रहे है जिसे समिति कार्यक्षेत्र के बाहर के किसान भी इन कृषि यंत्रों की सुविधा का लाभ उठा रहे है। इससे इन किसानों को मंहगें कृषि यंत्र खरीदने, उनके मंहगें रख–रखाव आदि से छुटकारा मिला है। अनेक कृषि यंत्र तो साल में एक या दो बार ही उपयोग में आते है जिन्हें खरीद कर रखना किसान के लिए बेहद खर्चीला एवं असुविधाजनक होता है। वास्तव में समिति के इस नवाचार से क्षेत्र के किसानों की कृषि लागत में कमी आई है। साथ ही लघु एवं सीमान्त किसान भी उन्नत तकनीक के कृषि यंत्रों का उपयोग कर रहे हैं। इस योजना से प्रतिवर्ष 275–300 कृषक लाभान्वित हो रहे है। **2. को–ऑपरेटिव जिम्नेजियम की स्थापना :–** 4 जे.जे. ग्राम सेवा सहकारी समिति लि., 4 जे.जे. में स्थापित जिम्नेजियम की तर्ज पर ही इस समिति द्वारा भी अत्याधुनिक जिम्नेजियम प्रारम्भ किया गया है। दो माह पूर्व प्रारम्भ किये गये इस जिम में 65 युवा प्रशिक्षणार्थी है। प्रशिक्षित ट्रैनर के मार्गदर्शन में जिम की विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रशिक्षणार्थियों को प्राप्त हो रहा है। रायसिंहनगर अनूपगढ़ स्टेट हाईवे पर स्थित होने के कारण अनेक दूर–दराज के गांवों के युवाओं को बड़े शहरों जैसी जिम्नेजियम की सेवाओं का अत्यन्त कम दामों पर सहकारिता के इस नवाचार के माध्यम से लाभ प्राप्त हो रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं में उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। युवा वर्ग इससे अत्यधिक प्रोत्साहित हो रही है। विशेष रूप से क्षेत्र के स्कूलों के शारीरिक शिक्षकों से अच्छा सहयोग मिल रहा है। जिससे भविष्य में सहकारिता के माध्यम से स्थापित जिम्नेजियम के माध्यम से अच्छे स्पोर्टसमैन मिलने एवं नशे की कुरीतियों से बचाने में सहयोग मिलने की आशा जागृत हुई है।
Intervention	**अन्य गतिविधियां एवं उपलब्धियां :** ➢ समिति ने संचयी योजना में चयन करवाकर मिनी बैंक प्रारम्भ कर सदस्यों से छोटी–छोटी अमानतें प्राप्त कर अपने आर्थिक संसाधन सशक्त किये है। ➢ समिति द्वारा उपभोक्ता व्यवसाय का कार्य प्रारम्भ कर समिति सदस्यों को विभिन्न

<table>
<tr><td></td><td>सेवायें प्रदान कर समिति का विश्वास कायम किया है।
➢ समिति गत कई वर्षों से 5–7 लाख रूपये का शुद्ध वार्षिक लाभ अर्जित कर रही है।
➢ समिति ने नोटबन्दी के कठिन दौर में भी किसानों को भारत सरकार की योजना के अनुरूप राजस्थान राज्य बीज वितरण निगम के विक्रय केन्द्र के रूप में पुरानी मुद्रा में बीज वितरण की सुविधा उपलब्ध करवाई है।
➢ कृषि विभाग द्वारा भी इस समिति को विभिन्न अनुदान योजनाओं के विक्रय केन्द्र के रूप में चयनित कर किसानों को गांव में ही समस्त योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।
➢ समिति के रिजर्व कोष भी 20.00 लाख रूपये से अधिक है।
➢ समिति का समस्त कार्य गत तीन वर्षों से कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत है। जिसमें समिति में खाद, बीज, उपभोक्ता सामग्री, दवाईयां, जिम्नेजियम शुल्क आदि समस्त सुविधाओं की कम्प्यूटराईज्ड बिलिंग की जाती है।</td></tr>
<tr><td>Impact</td><td>समिति की वर्तमान स्थिति (दिनांक 31.03.2016)<table>
<tr><td>सदस्य संख्या</td><td>:</td><td>944</td></tr>
<tr><td>हिस्सा पूंजी</td><td>:</td><td>20.65 लाख रूपये</td></tr>
<tr><td>कुल ऋण वितरण</td><td>:</td><td>275.00 लाख रूपये</td></tr>
<tr><td>कुल अमानतें</td><td>:</td><td>125.00 लाख रूपये</td></tr>
<tr><td>रिजर्व कोष</td><td>:</td><td>17.89 लाख रूपये</td></tr>
<tr><td>खाद एवं बीज बिक्री</td><td>:</td><td>60.34 लाख रूपये</td></tr>
<tr><td>कुल लाभ</td><td>:</td><td>2.99 लाख रूपये</td></tr>
<tr><td>समिति द्वारा अपनी विभिन्न विस्तार गतिविधियों में स्वयं के कोष से विनियोजन करने के कारण लाभ कम है।</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>संचित लाभ</td><td>:</td><td>31.13 लाख रूपय</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>Key Takeaways</td><td>समग्र सहकारी विकास परियोजना, श्रीगंगानगर के अथक प्रयास
समग्र सहकारी विकास परियोजना, श्रीगंगानगर द्वारा इस समिति को अनूपगढ़ ब्लॉक में एक पॉयलेट समिति के रूप में विकसित करने हेतु गत पांच वर्षों में परियोजनान्तर्गत विभिन्न मदों में लाभान्वित किया गया है। समिति को 100 एमटी गोदाम निर्माण हेतु 7.50 लाख रूपये, दो मिनी सुपर मार्केट निर्माण हेतु 5.00 लाख रूपये, पुराने गोदाम मरम्मत हेतु 2.00 लाख रूपये एवं मार्जिन मनी 4.50 लाख रूपये कुल राशि 19.00 लाख रूपये की सहायता आईसीडीपी द्वारा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त परियोजनान्तर्गत समिति सदस्यों, संचालक मण्डल सदस्यों, व्यवस्थापक एवं सहायक व्यवस्थापक का व्यापक प्रशिक्षण के अतिरिक्त पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश की अग्रणी सहकारिताओं का स्टडी विजिट इस समिति को करवाई गई जिससे इन्हें नवाचार एवं व्यवसाय विविधिकरण हेतु प्रोत्साहन मिला है।</td></tr>
<tr><td>Contact Detail</td><td>श्री जसविन्दर सिंह बराड़, व्यवस्थापक
08094008486</td></tr>
</table>